कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-दो की समीक्षा में कहा, सुधार जमीन पर नजर आएं

गैरजरूरी नियम हटें, मिले भरोसेमंद प्रशासन : योगी

निर्देश

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि शासन का लक्ष्य नागरिकों और उद्यमियों को अनावश्यक प्रक्रियाओं, अनुमतियों और निरीक्षणों से राहत देकर भरोसे पर आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध प्रशासन उपलब्ध कराना है। उन्होंने निर्देश दिए कि हर सुधार का प्रभाव जमीन पर दिखना चाहिए और आम व्यक्ति को यह अनुभव होना चाहिए कि व्यवस्था उसके लिए आसान हुई है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कम्प्लायंस रिडक्शन और डी-रेगुलेशन फेज-दो के तहत किए जा रहे सुधारों की गुरुवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने कम्प्लायंस रिफॉर्म्स के पहले फेज में देश में एक मजबूत पहचान बनाई है और अब फेज-दो से इन सुधारों को स्थायी और संस्थागत रूप दिया जाना है। यह फेज केवल नियमों में बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली और सोच में परिवर्तन का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डी-रेगुलेशन का अर्थ नियंत्रण समाप्त करना नहीं, बल्कि अनावश्यक नियंत्रण हटाकर जरूरी नियमों को सरल और पारदर्शी बनाना है। उन्होंने दोहराया कि सरकार का संकल्प उत्तर प्रदेश को ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, दोनों में देश का अग्रणी राज्य बनाना है।

फेज एक में यूपी था अव्वल प्रदेश: बैठक में बताया गया कि कैबिनेट सचिवालय द्वारा जनवरी 2026 में जारी रैंकिंग में प्रदेश को कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-I में देश का बेस्ट स्टेट घोषित किया गया है। फेज-दो के अंतर्गत कुल 9 थीम, 23 प्रायोरिटी एरिया और 5 ऑप्शनल प्रायोरिटी एरिया चिन्हित हैं, जिन पर चरणबद्ध ढंग से सुधार लागू हो रहे हैं।

हर विभाग तय समयसीमा में सुधार लागू करे

मेरठ के सरधना में खेल विश्वविद्यालय के लोगो,ध्वज का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री।

भवन का नक्शा पास कराना भी होगा सरल

भवन निर्माण और कंस्ट्रक्शन सेक्टर के संबंध में बताया गया कि नक्शा पास कराने, लेआउट अप्रूवल,कंप्लीशन सर्टिफिकेट जैसी प्रक्रियाओं को रिस्क-बेस्ड सिस्टम पर लाया जा रहा है। सेल्फ-सर्टिफिकेशन और डीम्ड अप्रूवल को बढ़ावा देकर आम लोगों और बिल्डर्स को अनावश्यक देरी से राहत देने की व्यवस्था की जा रही है।

बिजली कनेक्शन की व्यवस्था आनलाइन

बैठक में यूटिलिटीज और विभिन्न विभागीय अनुमतियों से जुड़े सुधारों की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि अलग-अलग विभागों की प्रक्रियाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाकर स्पष्ट समय सीमा तय की जा रही है, ताकि उद्योगों और संस्थानों को बार-बार अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

पर्यावरण संरक्षण संबंधी अनुमतियां भी सरल होंगी

पर्यावरण संबंधी अनुमतियों पर बताया गया कि कम जोखिम गतिविधियों के लिए अनावश्यक क्लीयरेंस समाप्त कर ट्रस्ट-बेस्ड अप्रोच अपनाई जा रही है, उच्च जोखिम में पर्यावरण संरक्षण, संतुलन रख स्पष्ट,समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है।

दो टूक : तय समय सीमा के अंदर लागू करें सुधार

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने-अपने सुधारों को तय समय सीमा में लागू करें और उनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ये सुधार केवल उद्योगों और निवेशकों के लिए नहीं, बल्कि आम नागरिक के दैनिक जीवन को आसान बनाने के लिए भी हैं, चाहे वह घर बनाना हो, बिजली-पानी कनेक्शन लेना हो या किसी छोटी सेवा से जुड़ी अनुमति। बैठक में यह भी बताया गया कि फेज-दो के अंतर्गत इंस्पेक्शन की संख्या घटाने, पुराने और अप्रासंगिक नियमों को समाप्त करने तथा सभी प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटाइज और टाइम-बाउंड बनाने पर काम किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रत्येक विभाग के लिए सुधारों की स्पष्ट जिम्मेदारी तय की जा रही है, ताकि जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

भूमि उपयोग के नियमों में जल्द बदलाव होगा: भूमि उपयोग से जुड़े सुधारों पर चर्चा करते हुए बताया गया कि किसानों और भू-स्वामियों को अनावश्यक परेशानियों से बचाने के लिए चेंज इन लैंड यूज जैसी जटिल अनुमतियों को समाप्त करने या सरल बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। नियोजित क्षेत्रों में मास्टर प्लान के अनुरूप भूमि उपयोग मामलों में अलग से अनुमति की जरूरत खत्म करने अनियोजित क्षेत्रों में भी भूमि रूपांतरण प्रक्रिया सरल करने पर विशेष फोकस किया गया है। पर्यटन परियोजनाओं, शैक्षणिक संस्थानों,स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित अनुमतियों को सरल बनाकर निवेश, सेवा विस्तार को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सतर्क रहें P14

09 थीम हैं फेज-दो के कम्प्लायंस रिडक्शन रेगुलेशन के लिए

खेल विश्वविद्यालय में पूर्व खिलाड़ी कोच होंगे

मेरठ। सलावा में प्रदेश का पहला 'राज्य खेल विश्वविद्यालय' विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस होगा। यहां न केवल उच्चस्तरीय फैकल्टी की तैनाती होगी, बल्कि पूर्व खिलाड़ियों को कोच नियुक्त किया जाएगा,जिससे खिलाड़ियों को तकनीक सुधारने का मौका मिलेगा। ब्योरा P14

वसंत पंचमी की बधाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वसंत पंचमी पर लोगों को शुभकामनाएं दी है। कहा कि वसंत पंचमी विद्या, बुद्धि, ज्ञान, कला और संगीत की देवी मां सरस्वती के प्राकट्य का पर्व है। यह जीवन में बौद्धिक शुद्धता, विवेकपूर्ण आचरण, सृजनशील चेतना का महत्व रेखांकित करता है।